हरियाणा राज्य के शिक्षा में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के सन्दर्भ में विद्यालयोंका मूलयांकन – एक अध्यन

डाः सतनाम सिंह
(एम़.ए (इतिहास),एम़.एड,एम़.फिल (एजुकेशन).पीएच.डी.(एजुकेशन)
गांव दामली,डाःखानाःरावा तहसील शाहाबाद (माः) जिला कुरूक्षेत्र,हरियाणा

Received: May 29, 2018 Accepted: July 1, 2018

प्रस्तावनाः–

प्राचीन काल मे शिक्षा विद्यार्थियो को ऋषियो मुनीयो द्वारा गुरूकुलो या आश्रमो में प्रदान की जाती थी। जहां विद्यार्थि पूर्ण कालिक रूप से रहकर उपरोक्त गुणो का सम्वर्धन करता था। लेकिन वर्तमान समय में शिक्षा तथा शिक्षक के स्वरूप मानदण्डो एवं विचारो में परिवर्तन हुआ है प्राचीन परम्परागत आश्रमो एवं गुरूकुलो के स्वरूप मे भी परिवर्तन हुआ है और आधुनिक व्यवसायिक शिक्षण संस्थानो से भिन्न या विशिष्ट बनाये रखना चहता है। जिसके लिए ये अपनी विशिष्टता के मानको का निर्धारण करते हैं और अपने को अन्य से श्रेष्ठतम साबित करना चाहते है। यह विशिष्टता ही उनकी गुणवत्ता की सूचक होती है।

गुणवत्ता किसी उत्पाद अथवा सेवा के वे समग्र लक्षण एंव विशेषता होती है तो उसके बारे में वर्णित अथवा निहित गुणो को पूरा करने की क्षमता रखती है। ब्रिटिश मानक संस्थान (1991) पूर्व अध्ययनो में शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन के संदर्भ में अध्ययनो में शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन के सदर्भ में अध्ययन किया गया है – ऐंसे वातावरण का निर्माण जो हर विद्यार्थि के शारीरिक निर्माण की पुष्टि करे तथा पाठयचर्या का सामजस्य हो। वायर (1996) उददेष्यो का निर्धरण विशिष्ट व्यवहारिक नियमित लक्ष्यो में परिवर्तन करना – काकोर्ड। प्रत्येक समस्या को इस प्रकार समझे मानो उसे सुलझाने के अनेक समाधान मौजूद है–कैक तथा तीजे (1988) संगठनात्मक मूल्यांकन तथा उपचार के लिए प्रमुख गुणात्मक विधि है– प्रोफेसर एमं मुखेपाध्याय(1989)

उददेश्य (Objectives):

१. शिक्षा में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन का अभिप्राय समझना।
२. सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन के घटको की पहचान करना।
३. भारतीय सदंर्भ में सपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन लाने की प्रक्रियाओ को समझना।

मान्यताएं (Assumption):

१. शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन जैसे नये विषय का पाठकों को परिचय प्राप्त होगा ।
२. सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन की प्रक्रियाओं को अपनाकर संस्थाओं का मूल्यांकन किया जाता है । इसमें अपनी संस्था का मूल्यांकन करने वाले प्राचार्य लाभन्वित हो सकते है ।
३. शिक्षा में संपूर्ण गुनवत्ता प्रबंधन को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया अपनाने को लोकप्रिय बनाया जा सकता है ।

न्यादर्श एवं परिसीमन (Sample &Delimitation) :

१. कुरूक्षेत्र जिले के ३ शासकीय एवं १ अशासकीय विद्यालयों का चयन किया गया है जिसमें १०० विद्यालयों का चयन कर न्यादर्श के रूप में लिया गया है ।
२. इन विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा ११ वीं एवं १२ वीं स्तर के विद्यार्थियों को चुना गया है ।

चरांक (Variable) :

स्वतंत्र चर –संस्थाओं की मूल्यांकन प्रोफाइल । परतंत्र चर –मुखोपाध्याय मापनी से प्राप्त मूल्यांकन प्राप्ताक । बाहय चर –शासकीय, अशासकीय विद्यालय, लिंग ं

उपकरण (Tools) :

"मुखोपाध्याय सांस्थानिक प्रश्नावली (MIPQ) 'Mukhopadhayay's Institutinal Profil Questionaire"

शोध परिणाम एवं निष्कर्ष (Result &Finding) :

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजबनगर सरगुजा

मुखोपाध्याय सांस्थनिक विवरण प्रश्नावली पर उत्तरदाताओं के प्राप्तांको का विश्लेषण

प्र. क्र. १ : मेरा विद्यालय मुझे भविष्य के लिये तैयार कर रहा है? देखें तालिका १ से १० तक संस्था के प्रोफाइल वक्र से यह स्पष्ट होता है कि इस संस्था की –

सामर्थ्य (Strength)

सह – पाठयचर्या कार्यकलाप, शिक्षकों का प्रभावशाली शिक्षण कार्य तथा शिक्षकों का छात्रों के प्रति ध्यान, विद्यार्थियों का विद्यालय पर गर्व करना और विद्यार्थियों का यह मानना कि उनका विद्यालय उन्हें भविष्य के लिये तैयार कर रहा है । यह सभी इन संस्था की प्रमुख सामर्थ्य है

संस्था की 'कमजोरियां' (Weakness)

प्रधानाचार्य का विद्यालय में पर्याप्त रूचि न होना इस संस्था की कमजोरी है । प्रधानाचार्य विद्यालय में पर्याप्त रूचि नही लेते है तथा उनका व्यवहार शिक्षकों के प्रति मित्रवता तथा सौहाद्रपूर्ण नही है ।

संस्था के लिये 'अवसर' (Opportunity)

विद्यालय का अनुशासन तथा विद्यार्थियों के अच्छे व्यवहार की प्रशंसा और सराहना इस संस्था का 'अवसर' है । विद्यार्थी यह मानते है कि उनके विद्यालय में शिक्षक अनुशासित रहने के लिये कहते है उनकी अनुशासनहीनता पर उन्हे दण्ड देते है विद्यार्थि शिक्षकों के आदेशों का पूर्ण रूप से पालन करते है शिक्षक विद्यार्थियों के एक निश्चित समय के बाद आने पर उन्हें दण्ड भी देते है इन 'अवसरो' का लाभ उठाकर संस्था की गुणवता बढायी जा सकजी है ।

संस्था की 'चुनौती' (Threat)

विद्यालय की सुविधाअस संस्था की चुनौती है । विद्यालय में बाथरूम, टॉयलेट, पंखा, लाइट, फर्नीचर, भी पर्याप्त व्यवस्था है परंतु पुस्तकालय में आवश्यकतानुसार ओर अधिक मात्रा में अच्छी पुस्तके उपलब्ध नही है प्रयोगशाला तो है परंतु आवश्यक उपकरणों की कमी है । तथा आधुनिक दृश्य– श्रव्य सामग्रियों का भी अभाव है । विद्यालय में सभी सुविधाओं की व्यवस्था करना अनिवार्य है । इस चुनौती पर ततकाल ध्यान देकर विद्यालय की गुणवत्ता बढाई जा जाती है ।

मुखोपाध्याय सांस्थानिक विवरण प्रश्नावली पर उत्तरदाताओं कें प्राप्ताकों का विश्लेशण

प्र. क्र. १: मेरा विद्यालय मुझे भविष्य के लिये तैयार कर रहा है?

संस्था के प्रोफाइल वक्र से यह स्पष्ट होता है कि इस संस्था की–

सामर्थ्य (Strength)

सह–पाठयचर्या कार्यकलाप, शिक्षक का प्रभावशाली शिक्षक कार्य तथा शिक्षक का छात्रों कें प्रति ध्यान, विद्यार्थियों का विद्यालय पर गर्व करना और विद्यार्थियों का यह मानना कि उनका विद्यालय उन्हें भविष्य के लिये तैयार कर रहा है । यह सभी इन संस्था की प्रमुख सामर्थ्य है ।

संस्था की कमजोरियां (Weakness)

प्रधानाचार्य का विद्यालय में पर्याप्त रूचि न होना इस संस्था की कमजोरी है । प्रधानाचार्य विद्यालय में पर्याप्त रूचि नही लेते है तथा उनका व्यवहार शिक्षकों के प्रति मित्रवत तथा सौहाद्रपूर्ण नही है ।

सस्था के लिये 'अवसर' (Opportunity)

विद्यालय का अनुशासन तथा विद्यार्थियों कें अच्छे व्यवहारों की प्रशंसा और सहारना इस संस्था का 'अवसर' है । विद्यार्थी यह मानते है कि उनके विद्यालय में शिक्षक अनुशासित रहने के लिये कहते है । उनकी अनुशासनहीनता पर उन्हें दण्ड देते हैं विद्यार्थी शिक्षक के आदेशों का पूर्ण रूप से पालन करते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियों के एक निश्चित समय या प्रार्थना के बाद आने पर उन्हें दण्ड भी देते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों में शहीद उधम सिहॅ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नगला

सरणी १

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
७५:	१६:	९:	०:	०:

प्र. क्र. २ मुझे अपने विद्यालय गर्व हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
७८:	२२:	०:	०:	०:

प्र. क्र. ३ शिक्षक हमारा काफी ध्यान रखते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
50%	35%	6%	6%	3%

प्र. क्र. ४ प्रधानाचार्य विद्यालय में काफी रूचि लेते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
56%	16%	9%	13%	6%

प्र. क्र. ५ शिक्षक बहुत अच्छी तरह पढाते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
56%	28%	13%	3%	0%

प्र. क्र. ६ शिक्षक विद्यार्थियो को अंक देने में पक्षपात नहीं बरतते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
57%	28%	9%	6%	0%

प्र. क्र. ७ हमरे विद्यालय मे अच्छी सुविधाऐ हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
44%	16%	3%	22%	15%

प्र. क्र. ८ सभी बच्चो को सहपाठयचर्चा कार्य कलापो में हिस्सा लेने के लिये प्रोत्साहित किया जाता हैं

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
50%	10%	6%	3%	3%

प्र. क्र. ९ विद्यालय कडा अनुशासन पालन करता हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
50%	25%	10%	6%	9%

प्र. क्र. १० विद्यालय अच्छे व्यवहार की प्रशंसा और सराहना करता हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
63%	13%	13%	9%	2%

अच्छे कार्यो तथा अच्छे आचरण, नियमित उपस्थिति और अध्ययन में लगनशीलता की प्रशंसा और सराहना करते हैं । इन 'अवसरों' का लाभ उठाकर संस्था की गुणवता बढती जा सकती हैं।

संस्था की 'चुनौती' (Threat)

विद्यालय की सुविधा इस संस्था की चुनौती हैं । विद्यालय में बाथरूम, टॉयलेट, पंखा, लाइट, फर्नीचर, भी पर्याप्त व्यवस्था है परंतु पुस्तकालय में आवश्यकतानुसार ओर अधिक मात्रा में अच्छी पुस्तके उपलब्ध नही है प्रयोगशाला तो है परंतु संस्था के प्रोफाइल वक्र से यह स्पष्ट होता है कि इस संस्था की–

सामर्थ्य (Strength)

प्राधानाचार्य की विद्यालय में रूचि, शिक्षकों का विद्यालयों के प्रति ध्यान तथा विद्यार्थी के अच्छे व्यवहार की प्रशंसा करना, विद्यार्थियों का विद्यालय पर गर्व करना और यह मानना कि विद्यालय उनके भविष्य के लिए तैयार कर रहा हैं । इस संस्था की सामर्थ्य हैं।

प्रधानाचार्य शिक्षक तथा छात्रों से वार्तालाप करते हैं । तथा उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों के अध्ययन संबंधी क्रियाकलाप, उनकी उपस्थिति आदि पर ध्यान देते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

संस्था की कमजोरियां (weakness)

शिक्षकों का छात्रों के प्रति ध्यान न देना तथा अंको का वितरण में पक्षपात की भावना इस संस्था की कमजोरी हैं शिक्षकों का छात्रों के प्रत्येक क्रियाकलाप मे ध्यान नही रखता वे छात्रों की अध्ययन सम्बंधी आदतो तथा अधिगम में आने वाली समस्याओं मे ध्यान नही देते तथा विद्यार्थियों को ऐसा लगता हैं कि शिक्षक अंक देने में पक्षपात करते हैं ।

संस्था के लिये 'अवसर' (Opportunity)

सह–पाठयचर्या कार्यकलाप इस संस्था के लिये अवसर है । शिक्षक सहपाठयचर्या कार्यकलापों को महत्वपूर्ण मानते है तथा विद्यार्थियों को

कार्यकलापों, संगोष्ठी, परिचर्चा, भ्रमण, सांस्कृतिक तथा साहित्यिक कार्यक्रमो में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करते हैं । इन अवसरों का लाभ उठाकर संस्था की गुणवता बढाई जा सकती हैं ।

संस्था की 'चुनौती' (Threat)

विद्यालय का अनुशासन तथा विद्यालय की सुविधाएं इस संस्था के लिये चुनौती हैं । शिक्षक केवल शिक्षण कार्य पर ही जोर देते है तथा उनमें आत्म अनुशासन, आत्मसंयम तथा

सारणी १ मेरा विद्यालय मुझे भविष्य के लिए तैयार कर रहा हैं ।

पूर्णतः सहमत	स्हमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
८०:	२०:	०:	०:	०:

प्र. क्र. २ मुझे अपने विद्यालय गर्व हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
४४:	३७:	६:	१०:	३:

प्र. क्र. ३ शिक्षक हमारा काफी ध्यान रखते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
३४:	३८:	१३:	२:	१३:

प्र. क्र. ४ प्रधानाचार्य विद्यालय में काफी रूचि लेते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
४७:	३५:	९:	९:	०:

प्र. क्र. ५ शिक्षक बहुत अच्छी तरह पढाते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
४४:	४४:	३:	९:	०:

प्र. क्र. ६ शिक्षक विद्यार्थियो को अंक देने में पक्षपात नहीं बरतते हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
१६:	७:	०:	२१:	१६:

प्र. क्र. ७ हमरे विद्यालय मे अच्छी सुविधाऐ हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
१९:	३१:	१३:	२४२:	१३:

प्र. क्र. ८ सभी बच्चो को सहपाठयचर्चा कार्य कलापो में हिस्सा लेने के लिये प्रोत्साहित किया जाता हैं

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
४७:	३१:	९:	४:	९:

प्र. क्र. ९ विद्यालय कडा अनुशासन पालन करता हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
६:	३४:	१६:	३१:	१३:

प्र. क्र. १० विद्यालय अच्छे व्यवहार की प्रशंसा और सराहना करता हैं ।

पूर्णतः सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	पूर्णतः असहमत
४७:	४१:	६:	३:	०:

सदाचार जैसी भावनाओं का विकास नहीं करते है। विद्यालय में बाथरूम,टॉयलेट, पंखा, लाइट, फर्नीचर, भी पर्याप्त व्यवस्था है परंतु पुस्तकालय में आवश्यकतानुसार ओर अधिक मात्रा में अच्छी पुस्तके उपलब्ध नही है प्रयोगशाला तो है परंतु आवश्यक उपकरणों की कमी है । तथा आधुनिक दृश्य- श्रव्य सामग्रियों का भी अभाव है । विद्यालय में सभी सुविधाओं की व्यवस्था करना अनिवार्य है । इस चुनौती पर ततकाल ध्यान देकर विद्यालय की गुणवत्ता बढाई जा सकता है।

Reference

1. Boyer, L.e (1996), 5 priorities for qualitdy Schools, Education Divert, 62 (1)
2. Chaffe, E.E and Tirney (1998) , W.G Collage culture and Leadership Strategies , Newyark. : MC millan.
3. Juran, J. (1989). Leadership for quality An Executive Handbook , New Yark ; free press
4. Mukhopadhyay Marmar (1989),
5. Distance Education; A SWOT Analysis, In Mukhopadhyay. Marma (E.D) Educational Technology ; year book 1988, New delhi : AIAET.
6. Shejwalker, P.C (1991) , total Quality Management in Higher Education , New Direction for Institutional Research, 71